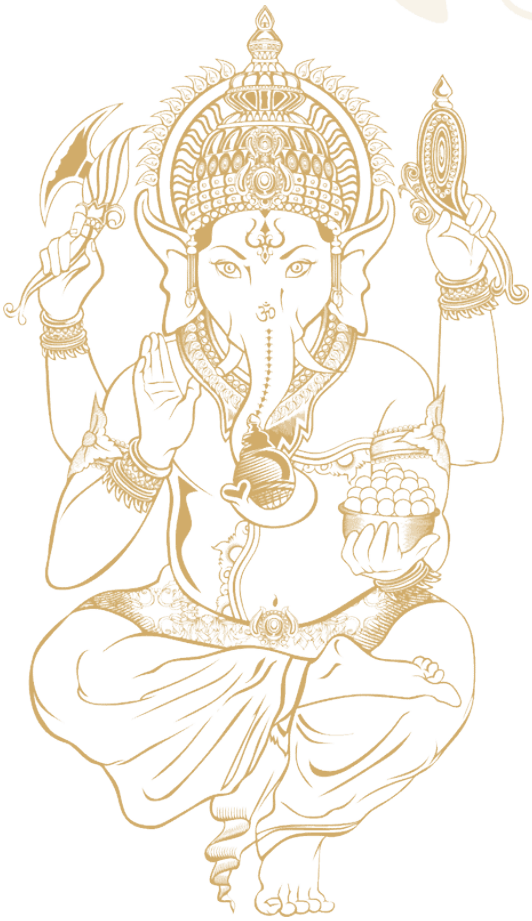

Mr.gopal

17 Apr 1969

11:55 PM

Hamirpur

Model: Varshphal-2017

Order No: 119575501

तिथि 17/04/1969 **समय** 23:55:00 **वार** गुरुवार **स्थान** Hamirpur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:25:40
अक्षांश 31:38:00 उत्तर **रेखांश** 76:36:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:23:36 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	13:14:13 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:00:22 घं	योनि	गज
सूर्योदय	05:53:38 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	18:53:23 घं	वर्ण	क्षत्रिय
चैत्रादि संवत	2026	वश्य	चतुष्पाद
शक संवत	1891	वर्ग	मृग
मास	वैशाख	युँजा	पूर्व
पक्ष	शुक्ल	हंसक	अग्नि
तिथि	1	जन्म नामाक्षर	ली-लीलाधर
नक्षत्र	भरणी	पाया(रा.-न.)	रजत-स्वर्ण
योग	प्रीति	होरा	बुध
करण	बव	चौघड़िया	काल

विंशोत्तरी
शुक्र 16वर्ष 1मा 26दि
राहु
13/06/2008
14/06/2026

राहु	25/02/2011
गुरु	20/07/2013
शनि	26/05/2016
बुध	14/12/2018
केतु	01/01/2020
शुक्र	01/01/2023
सूर्य	26/11/2023
चन्द्र	26/05/2025
मंगल	14/06/2026

योगिनी
भद्रिका 4वर्ष 0मा 14दि
संकटा
02/05/2022
02/05/2030

संकटा	10/02/2024
मंगला	02/05/2024
पिंगला	11/10/2024
धान्या	11/06/2025
भ्रामरी	02/05/2026
भद्रिका	12/06/2027
उल्का	11/10/2028
सिद्धा	02/05/2030

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			09:23:57	धनु	मूल	3	केतु	शनि	---	0:00			
सूर्य			04:07:41	मेष	अश्विनी	2	केतु	चंद्र	उच्च राशि	1.36	कलत्र	पितृ	अतिमित्र
चंद्र			15:53:44	मेष	भरणी	1	शुक्र	सूर्य	सम राशि	1.45	भ्रातृ	मातृ	जन्म
मंगल			22:46:37	वृश्चि	ज्येष्ठा	2	बुध	चंद्र	स्वराशि	1.05	आत्मा	भ्रातृ	मित्र
बुध		अ	13:53:56	मेष	भरणी	1	शुक्र	शुक्र	सम राशि	1.05	मातृ	ज्ञाति	जन्म
गुरु	व		04:31:37	कन्या	उ०फाल्गुनी	3	सूर्य	शनि	शत्रु राशि	1.10	ज्ञाति	धन	सम्पत
शुक्र	व		19:56:42	मीन	रेवती	1	बुध	शुक्र	उच्च राशि	1.28	अमात्य	कलत्र	मित्र
शनि		अ	05:01:37	मेष	अश्विनी	2	केतु	मंगल	नीच राशि	1.08	पुत्र	आयु	अतिमित्र
राहु	व		06:41:00	मीन	उ०भाद्रपद	2	शनि	बुध	सम राशि		---	ज्ञान	वध
केतु	व		06:41:00	कन्या	उ०फाल्गुनी	4	सूर्य	बुध	शत्रु राशि		---	मोक्ष	सम्पत

लग्न-चलित

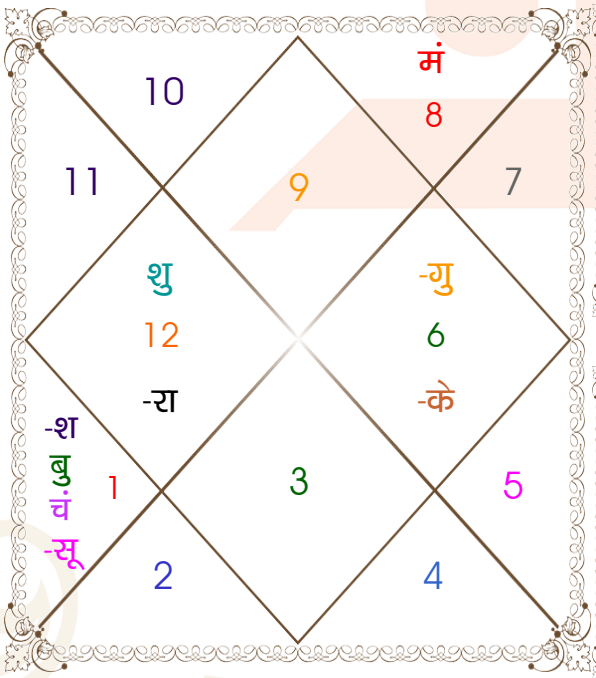

चन्द्र कुंडली

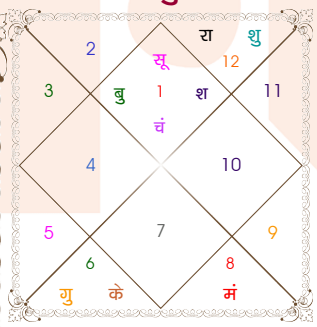

नवमांश कुंडली

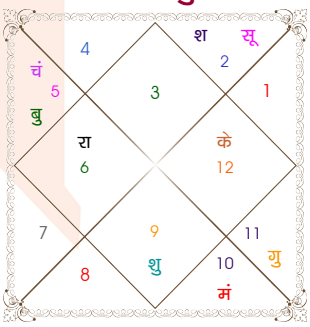

सर्वाष्टकवर्ग

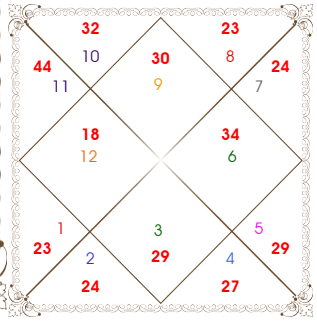

दशमांश कुंडली

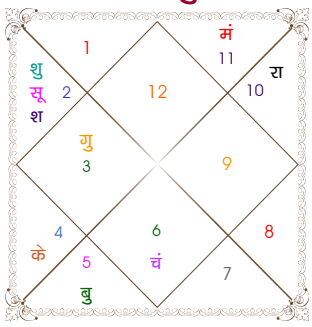

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शरीर में कष्ट भी उत्पन्न होगा जिससे आपको परेशानी रहेगी। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में अशान्ति तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। ज्ञानार्जन के प्रति भी इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक आप नवीन शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। मिष्ठान्न इस समय आपको प्रियकर लगेंगे तथा यत्न पूर्वक इनका भक्षण करेंगे जिससे आपको प्रसन्नता की अनुभूति होगी। इस समय आपका सामाजिक प्रभाव मध्यम रहेगा तथा यथा कदा ही अन्य जन आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आपको समय समय पर परेशानी उत्पन्न होगी तथा उनसे आप चिन्तित रहेंगे। स्त्री पक्ष से भी आप सामान्य सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त सामाजिक मान प्रतिष्ठा एवं यश भी मध्यम ही रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष सामान्य रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक अल्प मात्रा में ही लाभ एवं उन्नति होगी। साथ ही नौकरी या राजनीति में भी उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे परन्तु जीविका कार्य निरन्तर चलने वाला रहेगा। आर्थिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ आर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। यद्य पि इस समय आपको कष्ट प्राप्त होगा परन्तु उसे छिपाने में आप पूर्ण रूप से सफल रहेंगे। राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्बन्ध सामान्य ही रहेंगे तथा उनसे सहयोग तथा लाभ भी अल्प ही रहेगा साथ ही परिश्रम पूर्वक खेल के क्षेत्र में आपको सफलता मिल सकती है। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आप शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता तथा परेशानी से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी मध्यम ही रहेगी तथा समय समय पर मन में अशान्ति तथा व्याकुलता बनी रहेगी। मित्र एवं संबंधियों से इस वर्ष आपके संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे अल्प मात्रा में ही लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी इस समय आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा। साथ ही अपने कार्य क्षेत्र में भी वे सामान्य उन्नति करेंगे फलतः उनसे आप चिन्तित तथा परेशान रहेंगे। इस समय भाग्यबल की भी अल्पता रहेगी अतः शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम एवं संघर्ष से सफल होंगे।साथ ही मानसिक संकल्प भी अल्प मात्रा में पूर्ण होंगे तथा सुख संसाधनों की भी आपको न्यूनाधिक प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष विशेष शुभ नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में परिश्रम पूर्वक आपको उन्नति प्राप्त होगी साथ ही यदा कदा समस्याएं भी रहेगी तथा लाभ मार्ग में भी रूकावटें आएंगी। नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे सन्तुष्ट नहीं रहेंगे अतः इनकी आपको उपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए। आर्थिक स्थिति भी इस समय सामान्य रहेगी तथा यदा कदा व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। साथ ही समाजिक मान प्रतिष्ठा में भी न्यूनता रहेगी। अतः ऐसे समय में सोच समझकर अपने कार्यो कलापों को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शरीर से कष्ट की अनुभूति करेंगे जिससे दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यो को यथासमय पूर्ण करने में भी आप असमर्थ रहेंगे।मानसिक रूप से इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु पक्ष भी आपका प्रबल रहेगा तथा आपके लिए समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेगा जिससे आपको काफी असुविधा होगी। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपकी मान हानि की भी संभावना रहेगी यह या तो आपके स्वयं के कार्यो से होगी अथवा जिससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आपका कोई संबध न हो। अतः ऐसे अवसरों से आपको अत्यंत ही सावधान रहना चाहिए।

इस समय व्यापारिक या कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अनुकूल नहीं रहेगा।नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ उच्चाधिकारी या सहयोगी आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः आपकी पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार में भी इस समय रूकावटें उत्पन्न होंगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप असमर्थ रहेंगे।फलतः आर्थिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी इसके अतिरिक्त बेरोजगारों को कार्य मिलने में अत्यंत ही कठिनाई रहेगी।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट एवं परेशानी से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय रक्त विकार संबधी कोई परेशानी भी हो सकती है।मानसिक रूप से भी इस समय आप चिन्तित तथा असन्तुष्ट रहेंगे। मित्र एवं संबधियों से इस समय आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव की भी संभावना रहेगी तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। संतति पक्ष के लिए भी यह वर्ष मध्यम रहेगा तथा उनके सुख एवं सहयोग में भी अल्पता रहेगी। परन्तु अपने कार्य क्षेत्र में वे परिश्रम पूर्वक उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस वर्ष में विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा लाभ मार्ग अवरूद्ध रहेंगे जिससे आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक मात्रा में होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा इसमें अनावश्यक व्यवधान तथा समस्याएं उत्पन्न होंगी। व्यापार में आपकी उन्नति तथा लाभ में न्यूनता रहेगी तथा नौकरी या कार्य क्षेत्र में पदोन्नति में विलम्ब तथा रूकावटें उत्पन्न होंगी। साथ ही विरोधी पक्ष भी इस समय प्रबल रहेगा अतः ऐसे समय में आपको नवीन कार्य प्रारंभ नहीं करने चाहिए तथा सहयोगियों तथा साझेदारों से भी सावधान रहना चाहिए। इस वर्ष में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे फलतः ये आपसे अप्रसन्न से रहेंगे। अतः ऐसे समय में उन्नति एवं लाभ अर्जित करने के लिए इनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

प्रथम मास

18/04/2025 08:36:52 से 19/05/2025 07:00:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	21:44:08
सूर्य		मेष	अश्विनी	04:07:41
चन्द्र		धनु	मूल	00:08:09
मंगल		कर्क	पुष्य	05:46:06
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	07:09:36
गुरु		वृष	मृगशिरा	24:40:54
शुक्र		मीन	पू०भाद्रपद	00:54:47
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:16:00
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:44:16
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	02:44:16
मुंथा		सिंह	मघा	09:23:57

मासाधिपति

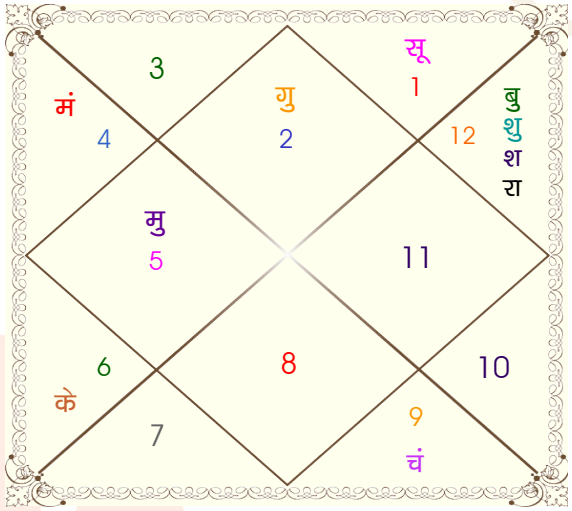

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए विशेष शुभ नहीं रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से वे विभिन्न प्रकार से आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगें। पारिवारिक जनों से भी इस समय अनावश्यक रूप से अनबन रहेगी जिससे पारिवारिक वातावरण अशान्त रहेगा। साथ ही मानसिक रूप से भी आप यदाकदा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास आपके कार्य में मंदी आ सकती है या आपका कोई कार्य छूट सकता है। आपके अन्य समाजिक जनों से विवाद भी हो सकते हैं जिससे आपके सम्मान में न्यूनता आएगी तथा धनहानि की भी सम्भावना होगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में उपरोक्त अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे। इससे शरीर में स्वस्थता,मन में सन्तोष एवं बुद्धि की वृद्धि होगी जिससे यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा। साथ ही धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि रहेगी।

द्वितीय मास

19/05/2025 07:00:57 से 19/06/2025 14:30:03 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	मृगशिरा	28:06:33
सूर्य		वृष	कृतिका	04:07:41
चन्द्र		मकर	श्रवण	16:32:18
मंगल		कर्क	आश्लेषा	20:07:12
बुध		मेष	भरणी	21:22:44
गुरु		मिथुन	मृगशिरा	00:56:06
शुक्र		मीन	रेवती	18:57:44
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	05:18:24
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:51:27
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	00:51:27
मुंथा		सिंह	मघा	11:53:57

मासाधिपति

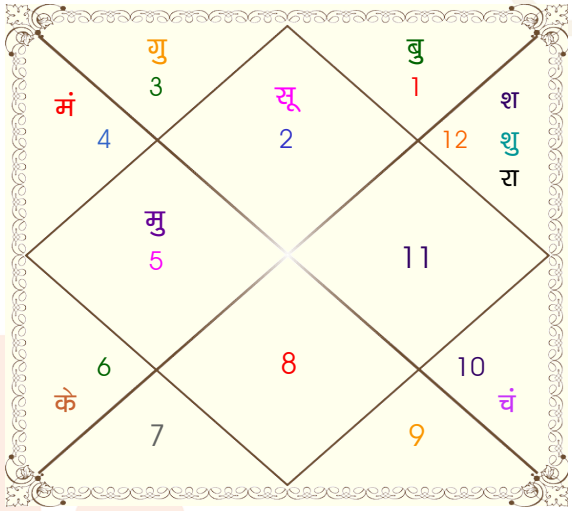

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आपके लिए मिलेजुले शुभाशुभ फल होंगे।अतः शारीरिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे।साथ ही दुश्मनों से भी आपको भय तथा चिन्ता का वातावरण प्राप्त होगा फलतः मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे। इस समय पारिवारिक जनों से भी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से आपसी सम्बन्धों में तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास हानि या मंदी आ सकती है साथ ही कोई परिवर्तन भी हो सकता है या संबधित कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य लोगों से भी आपके संबन्धों में कटुता उत्पन्न होगी। अतः सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन की हानि होने की भी सम्भावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे जिससे आप उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगे एवं कार्यों में किंचित उन्नति का भी आभास होगा। आप इस समय दूर समीप की यात्रा भी करेंगे एवं नवीन वस्त्रादि की भी प्राप्ति होगी। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास

19/06/2025 14:30:03 से 21/07/2025 01:20:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	01:00:39
सूर्य		मिथुन	मृगशिरा	04:07:41
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	11:31:28
मंगल		सिंह	मघा	06:55:06
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	24:52:39
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	07:56:56
शुक्र		मेष	भरणी	19:17:49
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:14:56
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:02:46
केतु	व	सिंह	उ०फाल्गुनी	28:02:46
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:23:57

मासाधिपति

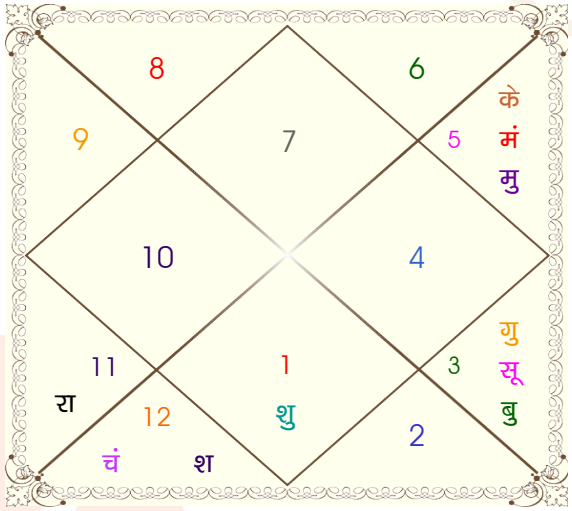

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ होगा तथा सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपका स्वास्थ भी उत्तम रहेगा तथा मन से भी पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। ज्ञानार्जन में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इस क्षेत्र में आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। आपको इस मास वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति होगी तथा इनका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे। समाज तथा समाजिक जनों से आप पूर्ण आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे साथ ही विगत रूके हुए कार्यों में भी आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

इसके साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार का योग भी बनता है। अतः दुर्घटना आदि से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी धन हानि होने की सम्भावना है अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास
21/07/2025 01:20:51 से 21/08/2025 08:49:43 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	03:58:31
सूर्य		कर्क	पुष्य	04:07:41
चन्द्र		वृष	रोहिणी	11:28:31
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:16:28
बुध	व	कर्क	आश्लेषा	21:04:46
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	15:03:50
शुक्र		वृष	मृगशिरा	23:55:20
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:40:13
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:27:03
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	25:27:03
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:53:57

मासाधिपति

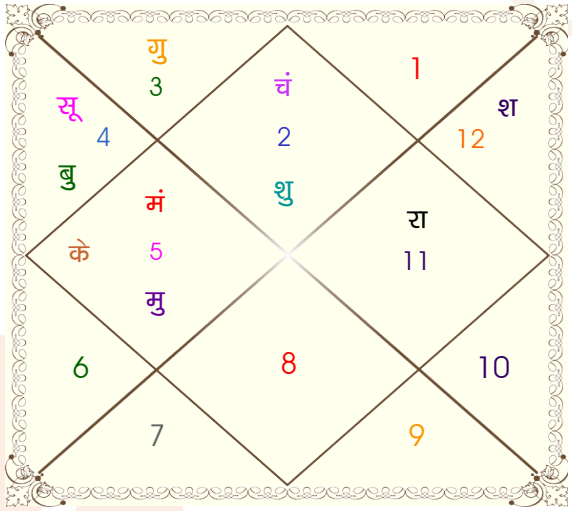

मासाधिपति : सूर्य

यह मास आपके लिए सामान्य रूप से शुभाशुभ फल प्रदान करेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेगी एवं इसमें अशान्ति रहेगी।पारिवारिक जनों से भी आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा आपस में अनबन रहेगी। आपके कार्य क्षेत्र में इस समय शिथिलता आएगी तथा स्थान परिर्वतन का योग भी बन सकता है। आप इस समय अपने किसी कार्य को छोड़ भी सकते है। सामाजिक जनों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा परस्पर विवाद आदि भी होते रहेंगे फलतः आपके सम्मान में न्यूनता का भाव आएगा। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे।अतः आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्न पूर्वक आप धार्मिक कार्य करने के लिए प्रवृत रहेंगे। साथ ही अन्य कई प्रकार के शुभ फल भी इस समय घटित हो सकेंगे।अतः मास शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

पंचम् मास
21/08/2025 08:49:43 से 21/09/2025 07:13:42 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	11:08:50
सूर्य		सिंह	मघा	04:07:41
चन्द्र		कर्क	पुष्य	08:04:30
मंगल		कन्या	हस्त	14:42:24
बुध		कर्क	पुष्य	15:42:20
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:37:22
शुक्र		कर्क	पुनर्वसु	00:22:16
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	06:30:21
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:10:41
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:10:41
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	19:23:57

मासाधिपति

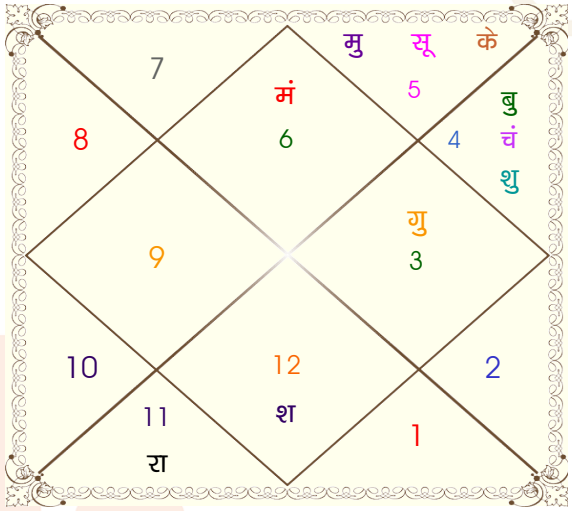

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त मध्यम रहेगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों के साथ में रहेंगे अतः आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। जिससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगे। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ तथा दुर्बल रहेंगे। इस मास में अत्यधिक परिश्रम के पश्चात भी आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप उचित पूजन तथा सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी हानि होती रहेगी तथा मित्रों एवं संबधियो से भी मधुर संबध नहीं रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आपको शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः महिला सहयोगियों से आप लाभार्जन करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी फलतः उचित लाभ एवं सुख प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। इसके साथ ही समाज एवं सामाजिक जनों से भी आप यश एवं सम्मान प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

षष्ठ मास

21/09/2025 07:13:42 से 21/10/2025 17:28:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	16:42:58
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	04:07:41
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:28:01
मंगल		तुला	चित्रा	04:56:20
बुध		कन्या	हस्त	10:27:44
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	26:55:21
शुक्र		सिंह	मघा	07:40:14
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	04:18:19
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:09:30
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:09:30
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:53:57

मासाधिपति

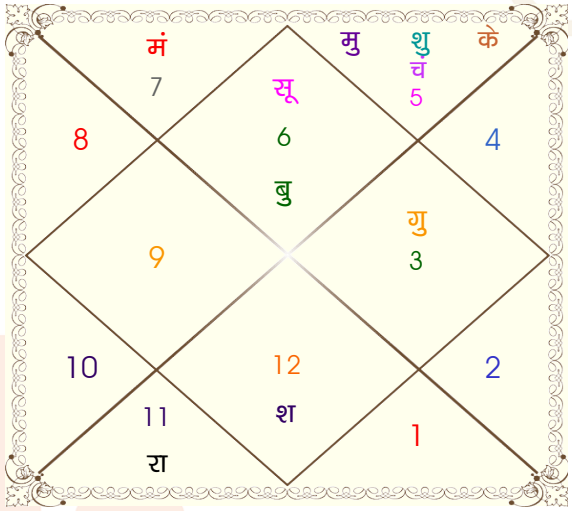

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा। अतः इस समय आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। आप का इस मास में व्ययाधिक्य रहेगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी प्राप्त होगी। साथ ही स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अपने ही परिश्रम से सिद्ध हो सकेंगे फिर भी आपको पूर्ण सन्तुष्टि नहीं मिलेगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि के योग बनेंगे। मित्रों एवं संबधियों के मध्य आपके संबधों में तनाव रहेगा तथा इनसे आवश्यक सुख तथा सहयोग भी नहीं मिलेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उसमें अनावश्यक विध्न बाधाएं उत्पन्न होगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। शत्रुओं से भी आपके हृदय में नित्य चिन्ता तथा भय का वातावरण बना रहेगा। साथ ही महत्वपूर्ण कार्यो में भी मनोवांछित सिद्धि नहीं मिलेगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप अपने श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी उन्नति के अवसर बनेंगे। इस मास में आपकी यात्रा भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे।

सप्तम् मास
21/10/2025 17:28:12 से 20/11/2025 15:49:39 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	29:39:32
सूर्य		तुला	चित्रा	04:07:41
चन्द्र		तुला	चित्रा	03:55:30
मंगल		तुला	विशाखा	25:49:13
बुध		तुला	विशाखा	26:31:52
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:12:28
शुक्र		कन्या	हस्त	15:14:36
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:07:49
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:36:00
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	23:36:00
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:23:57

मासाधिपति

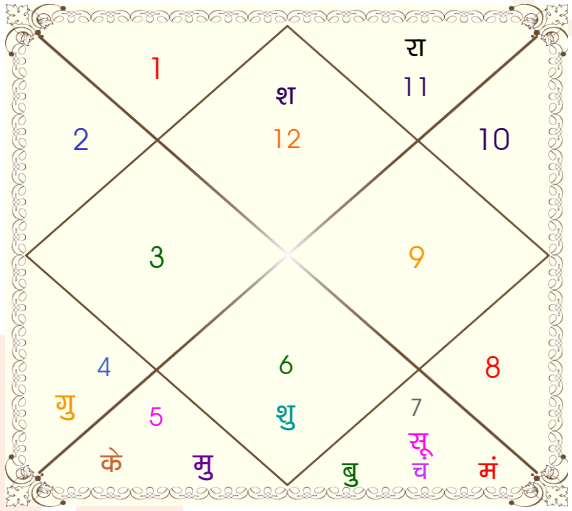

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए शुभ की अपेक्षा अशुभ ही अधिक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा साथ ही शत्रु पक्ष के बलवान होने से आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति रहेगी। इस मास में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। साथ ही ऐसे समय में उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें एवं उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा असफलता अधिक मिलेगी। साथ ही इस समय धन का व्यय भी अधिक मात्रा में करेंगे अतः न्यूनाधिक आर्थिक संकट भी बना रहेगा। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते है जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आपके मित्र तथा संबधियों से मधुर संबध अल्प रहेंगे तथा तनाव अधिक रहेगा तथा आप सामाजिक उपेक्षा भी प्राप्त करेंगे एवं आपकी आशाएं भी अपूर्ण ही रहेंगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही इस मास में नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इससे आप अल्प मात्रा में मानसिक सन्तुष्टि तथा शान्ति प्राप्त कर सकेंगे।

अष्टम् मास
20/11/2025 15:49:39 से 20/12/2025 05:39:01 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	06:25:38
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	04:07:41
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	05:43:51
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:17:11
बुध	व	वृश्चिक	अनुराधा	04:02:05
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:48:19
शुक्र		तुला	विशाखा	22:41:43
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:59:29
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:10:55
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	21:10:55
मुंथा		सिंह	उ०फाल्गुनी	26:53:57

मासाधिपति

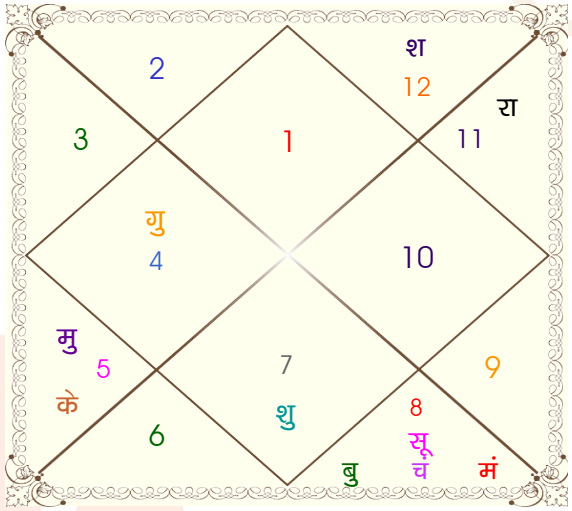

मासाधिपति : गुरु

यह महीना आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आपको द्रव्य लाभ का योग बनेगा। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों को भी आप सुनेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण आस्था रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से आप लाभार्जन करने में भी सफल हो सकते हैं। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में अभिबृद्धि होगी तथा समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होगी। अतः मन से आप पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को प्राप्त करने में भी सफल हो सकते हैं। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

नवम् मास
20/12/2025 05:39:01 से 18/01/2026 16:22:37 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	11:30:26
सूर्य		धनु	मूल	04:07:41
चन्द्र		धनु	मूल	03:24:27
मंगल		धनु	मूल	09:19:31
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	16:38:13
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	28:36:36
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:53:23
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:21:45
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	17:43:54
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	17:43:54
मुंथा		सिंह	उ०फाल्गुनी	29:23:57

मासाधिपति

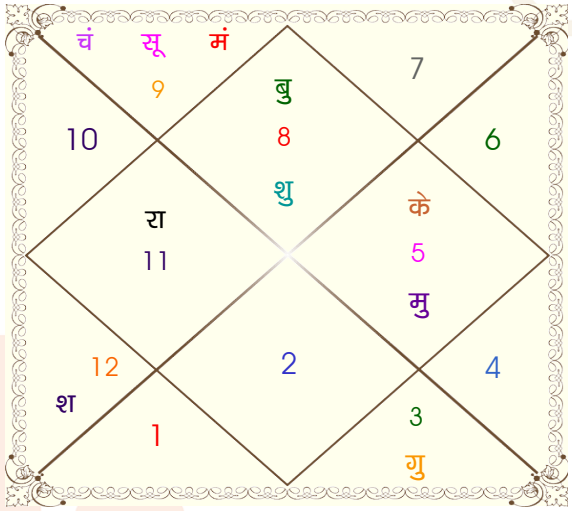

मासाधिपति : सूर्य

इस महीने में आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफफलता तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही आपके उच्चाधिकारी भी आपसे पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे जिससे आप पदोन्नति या विशेष लाभ भी प्राप्त कर सकते है। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनके परोपकार संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में इस मास सफलता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। अतः मन से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता एवं श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे तथा आपको हार्दिक आदर प्रदान करेंगे। आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा एवं अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस माह में आप नवीन गृह की प्राप्ति या स्थान परिवर्तन भी कर सकते हैं।साथ ही आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को अपनी बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप समस्त भौतिक सुख अर्जित करके प्रसन्नता पूर्वक समय को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

दशम् मास
18/01/2026 16:22:37 से 17/02/2026 06:10:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	17:28:38
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	04:07:41
चन्द्र		धनु	उत्तराषाढ़ा	29:50:32
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	01:56:16
बुध		मकर	उत्तराषाढ़ा	02:03:16
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:48:08
शुक्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:56:17
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	03:11:04
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	15:19:32
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:19:32
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	01:53:57

मासाधिपति

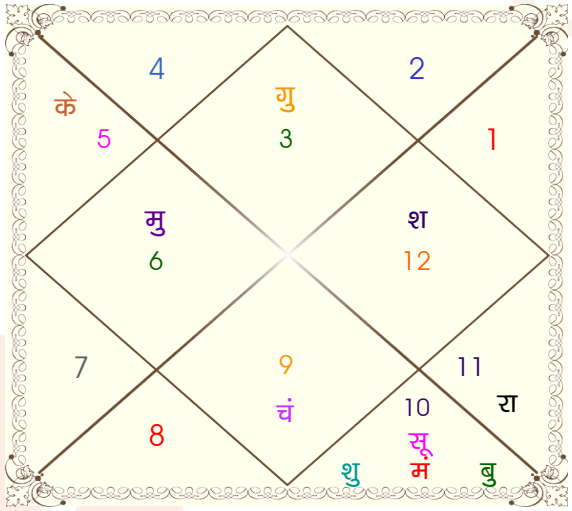

मासाधिपति : शनि

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास में आपके शत्रु प्रबल रहेंगे अतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए।साथ ही आपके व्यापार या नौकरी आदि के क्षेत्र में शिथिलता रहेगी तथा कई अनावश्यक विध्न बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय आपका कोई कार्य परिवर्तन हो सकता है या छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों से भी आपका परस्पर विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे आपके सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि की भी संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी दुर्घटना आदि से रुधिर विकार भी हो सकता है अतः इस मास में आप सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा की ओर विशेष ध्यान रखें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

एकादश मास
17/02/2026 06:10:58 से 19/03/2026 04:30:53 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	15:50:00
सूर्य		कुम्भ	धनिष्ठा	04:07:41
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	28:24:58
मंगल		मकर	धनिष्ठा	25:05:21
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:50:11
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:39:22
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	14:02:17
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:06:42
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:43:24
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:43:24
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	04:23:57

मासाधिपति

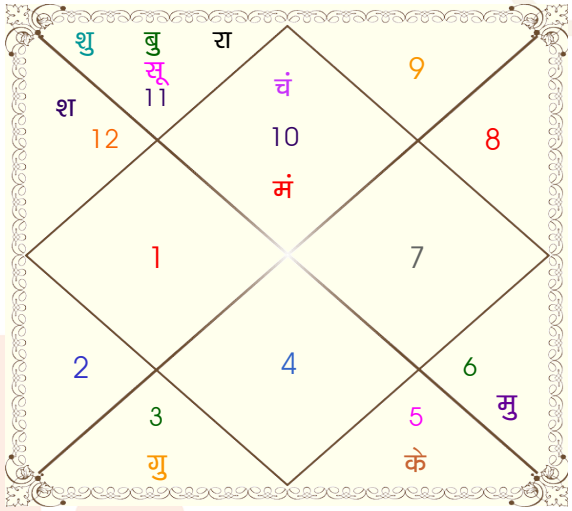

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जित करने में सफल रहेंगे तथा आर्थिक रूप से पूर्ण सम्पन्न रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथासमय सिद्ध करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते है। इस समय संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे।साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा। अपने बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र सम्माननीय तथा आदरणीय समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में श्रद्धा का प्रदर्शन करते हुए आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में सम्मान अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास

19/03/2026 04:30:53 से 18/04/2026 14:43:56 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	21:22:07
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	04:07:41
चन्द्र		मीन	पू०भाद्रपद	02:50:52
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	18:39:43
बुध	व	कुम्भ	शतभिषा	14:26:22
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	20:57:41
शुक्र		मीन	रेवती	21:18:32
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	09:41:46
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:44:43
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:44:43
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:53:57

मासाधिपति

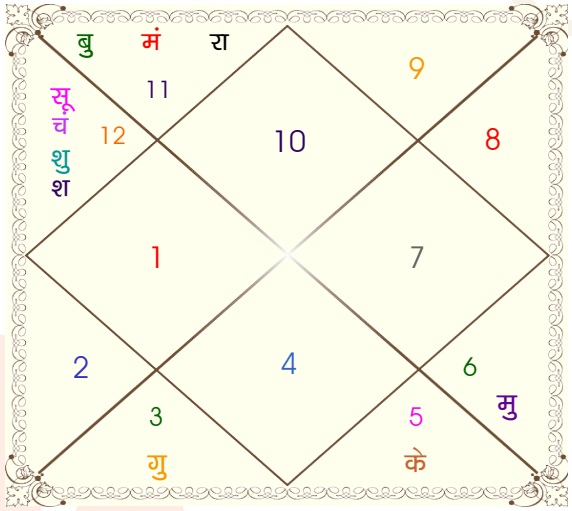

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे।साथ ही प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। आपके घर में इस मास में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी हो सकता है। सन्तति पक्ष से आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी अनन्य श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। समाज में सर्वत्र इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा भाग्योन्नति संबधी शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे।आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी इस मास में योग बनेगा ।साथ ही सरकारी तंत्र से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न रोगों के द्वारा शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा अन्य कारणों से रक्त विकार की भी संभावना रहेगी।अतः शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा अपने कार्य कलापों को बुद्धिमता से सम्पन्न करें।